

जंमं बरुन अखी है



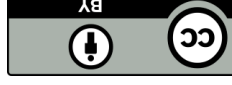
✎ Michael Oguttu
🔊 Vusi Malindi
📄 Tanvi Sirari
🗣️ Hindi
📖 Level 2

Storybooks Canada

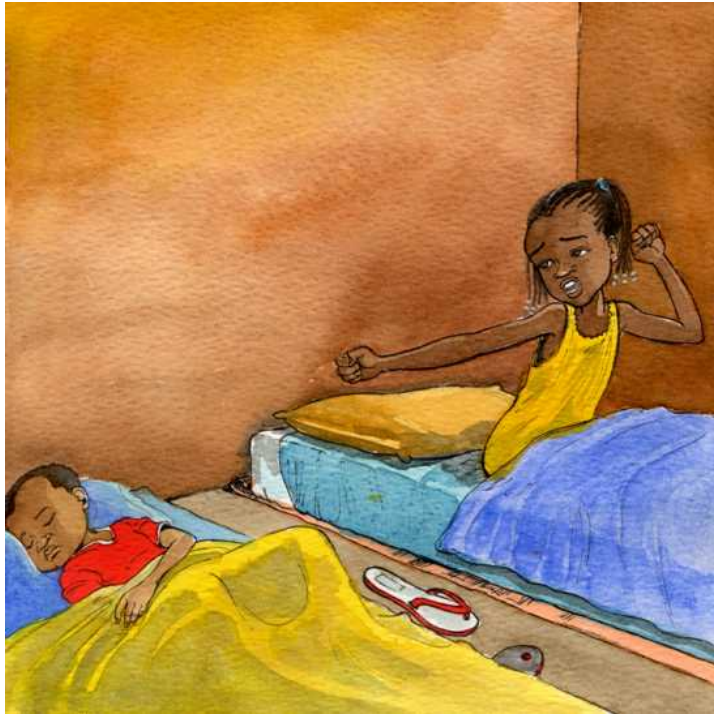
storybookscanada.ca
जंमं बरुन अखी है

Written by: Michael Oguttu
Illustrated by: Vusi Malindi
Translated by: Tanvi Sirari

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by Storybooks Canada in an effort to provide children's stories in Canada's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons Attribution 3.0 International License.
<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>



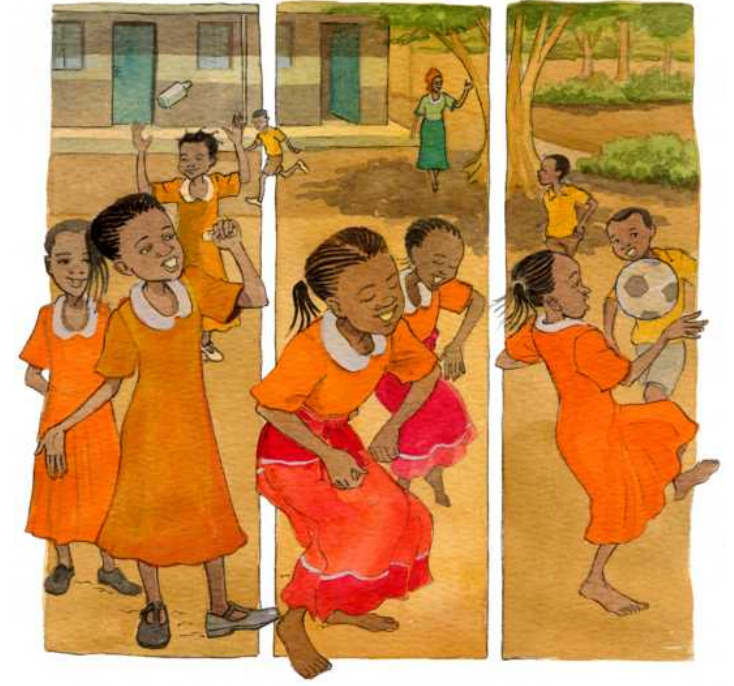
मेरा छोटा भाई बहुत देर तक सोता है। मैं जल्दी उठती हूँ, क्योंकि मैं बहुत अच्छी हूँ।

मैं सूरज की रोशनी को अन्दर आने देती हूँ।



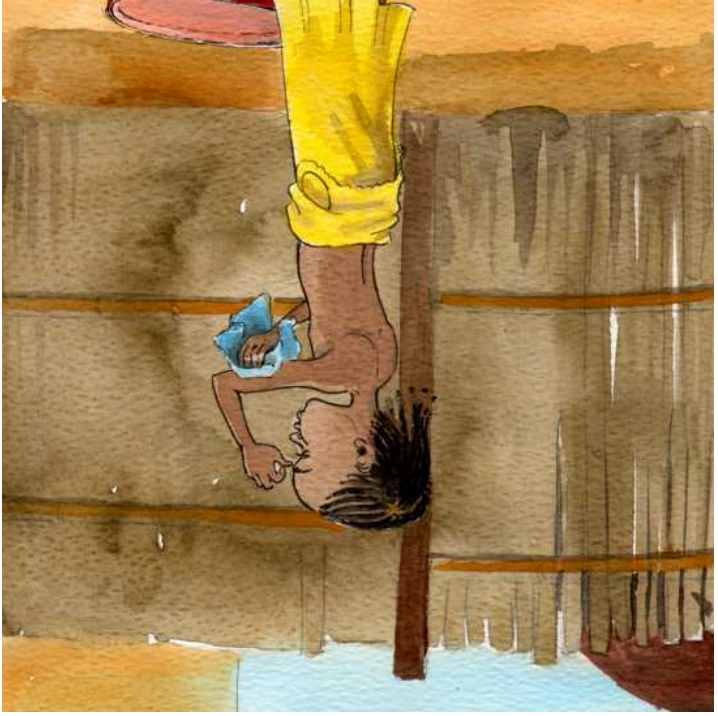


“तुम मेरी सुबह की तारा हो,” माँ कहती हैं।

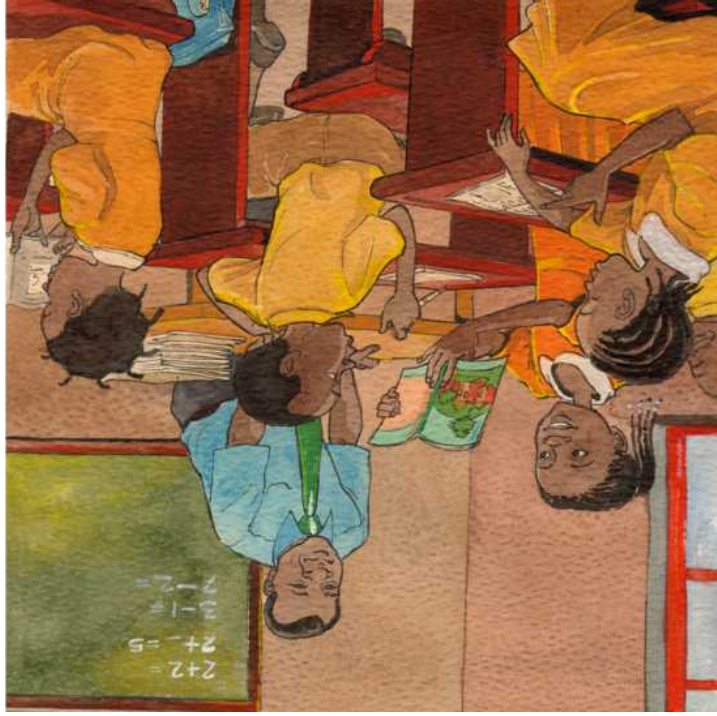


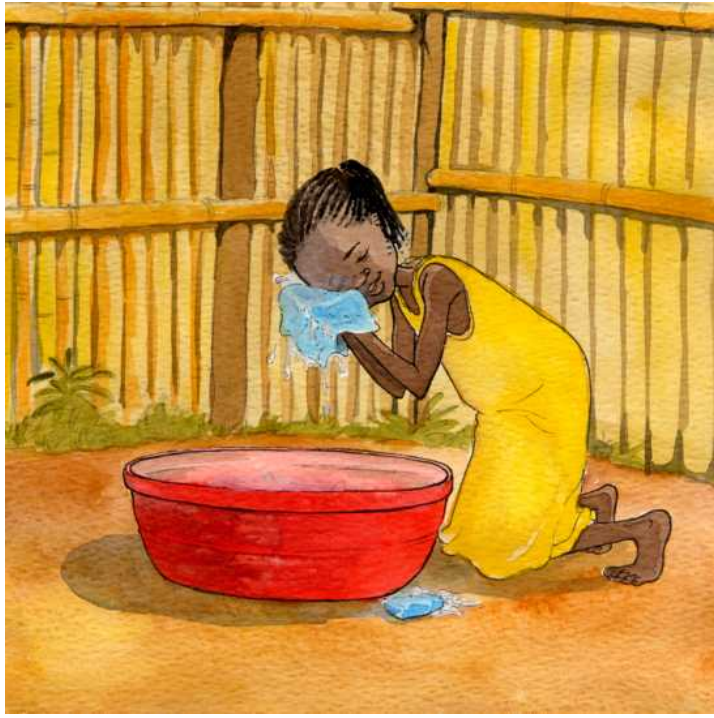
मैं हर रोज़ अच्छे काम करती हूँ। लेकिन मुझे सबसे ज़्यादा खेलना पसंद है।

मैं अपने आप नहा लेती हूँ, मुझे मदद की जरूरत नहीं है।

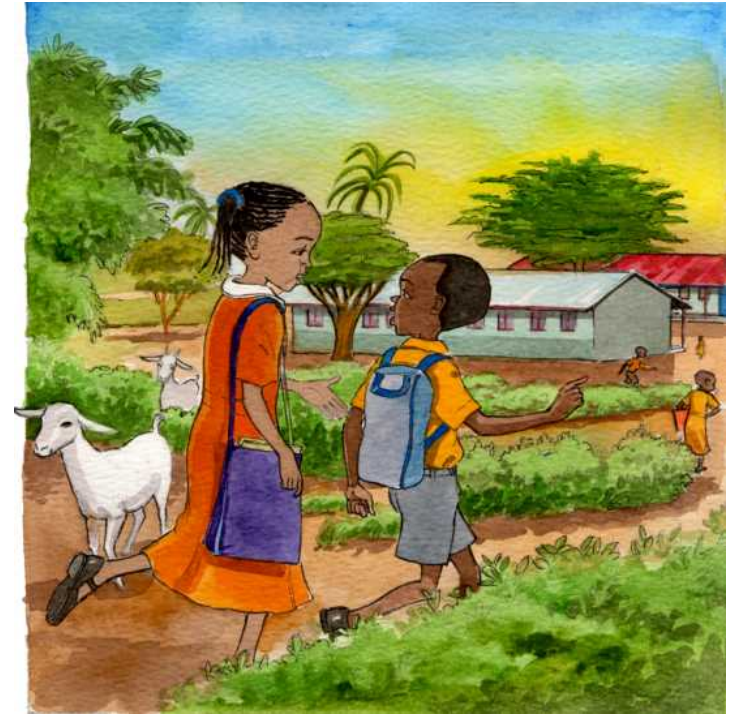


मैं कक्षा में बहुत मेहनत करती हूँ।



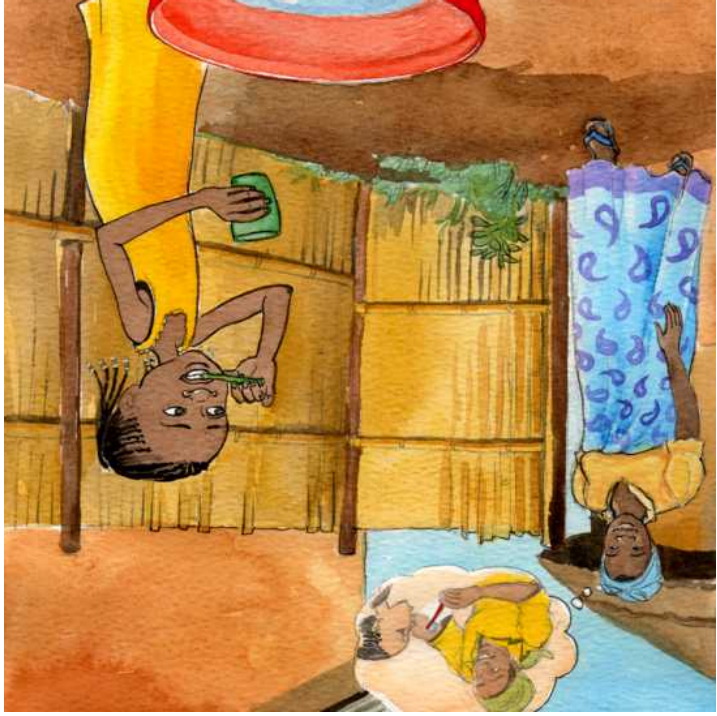


मैं ठंडे पानी और बदबुदार साबुन को सह लेती हूँ।



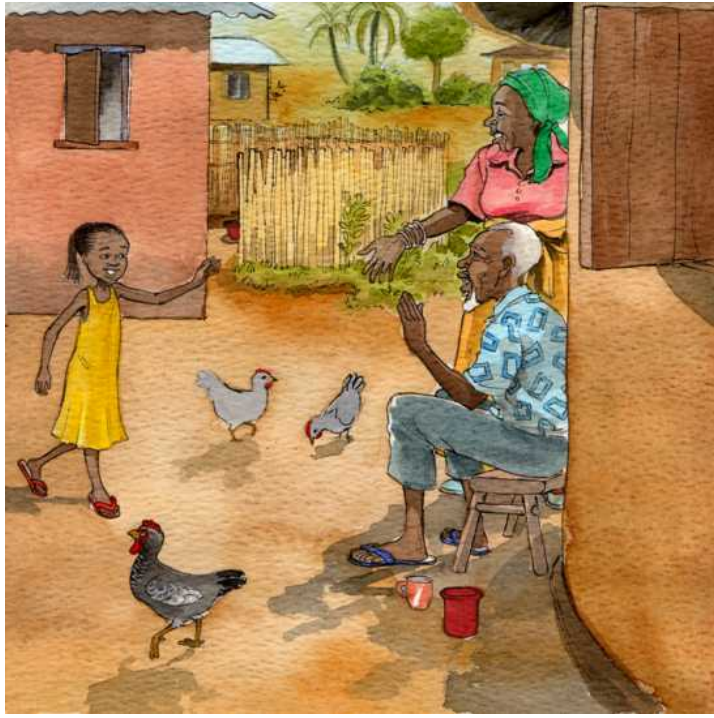
और मैं अपने छोटे भाई को विद्यालय की सारी खबर देती हूँ।

माँ याद दिलाती है, "दात मलना मत भूलना।" मैं
जवाब देती हूँ, "मैं कभी नहीं भूलती।"



मैं अपने बदन बद करती हूँ और कीते बाँधती हूँ।





नहाने के बाद मैं दादा और दादी को अच्छे दिन की शुभकामना देती हूँ।



फिर मैं कपड़े पहनती हूँ, "माँ मैं अब बड़ी हो गयी हूँ," मैं कहती हूँ।